

बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business



महत्वाकांक्षाओं के साथ
आगे बढ़ता बैटरी उद्योग

छोटे उत्पादकों के लिए
बैटरी उत्पादन चुनौतीपूर्ण

काव्य-आलेख-कहानी

समाचार • व्यापार • प्रचार

SuperStik™

.... चिपका रहे !



KABHI SATH NA CHHODE

STRONG ADHESIVE

Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665



संकलक-संपादक
विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :

माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर
बुद्धप्रिय सुरेश सौरभ गाजीपुरी -गाजीपुर, उ.प्र.

यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफ़िक्स टीम :

प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

उत्पादन अधिकारी
विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :

एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

प्रिंटेड कॉपी मूल्य : रुपये 120/-
डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :

डिजाईनवर्ल्ड

डब्लू जेड -572 एन, बैंक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028

संपर्क : 9582593779

Email : info@batterybusiness.in

Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।



कलम कहे हमारी बात

बैटरी व्यापार की तरफ से पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

बैटरी व्यापार का यह अंक आपके हाथों में होगा आप नये वर्ष में प्रवेश कर चुके होंगे । यह नया वर्ष आप सभी के जीवन में हर्षोल्लास लेकर आये और आपके घर परिवार, रिश्तेदार, मित्र, शुभचिंतकों को खुशियां प्रदान करें ।

पिछले दो वर्ष 2020 और 2021 तो बैटरी व्यावसायियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहे । हम प्रभु से दुआ करते हैं कि वर्ष 2022 एक नया आयाम साबित होगा ।

बैटरी व्यवसाय देश के प्रगति में अपना योगदान देता रहा है । पर सरकार के तरफ से इस व्यवसाय को क्या योगदान मिल रहा है इस पर भी बैटरी व्यापारियों को सोचना चाहिए । बैटरी पर 28 प्रतिशत का जीएसटी होना भी इस व्यवसाय के लिए अवरोधक है । इस जीएसटी पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित करने की जरूरत है । क्योंकि 28 प्रतिशत होने से बैटरी व्यापार की प्रगति रुक सी गई है । बैटरी व्यवसाय को 2 साल से जहां कोरोना से परेशान किया है वहीं जीएसटी का इतना महंगा होना भी एक ऐसा कारण है जिससे बैटरी व्यावसाय की गति धीमी हुई पड़ी है ।

बैटरी व्यावसायियों में एकजुटता की कमी भी दिखती है । अगर एकजुटता होती है तभी सरकार उनकी बातों को सुनती है । अभी हाल ही में कपड़े पर जीएसटी का दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किया जाने वाला था, परंतु कपड़ा उद्योग के एकजुट होने और विरोध के बाद अभी कपड़े पर जीएसटी दर 5 प्रतिशत ही रखना पड़ा है । ऐसे ही अगर बैटरी उद्योग से जुड़े लोग एकजुट होकर सरकार से मांग रखते तो बैटरी पर भी जीएसटी कम हो सकता है ।

एक तरफ महंगाई से भी व्यापारी परेशान हैं । पता नहीं होता कच्चे माल की कीमत कब कितना बढ़ जाये । इस तरह नित्य-प्रति महंगाई होने से भी व्यवसाय में उथल-पुथल मचा रहा है । इस पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित होना चाहिए । जब तक बाजार में स्थिरता नहीं जाएगी, व्यापार की गति धीमी ही रहेगी ऐसा बैटरी व्यापार का मानना है ।

बैटरी व्यापार पत्रिका बैटरी उद्योग, सोलर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहनों के जुड़े उद्यमियों, व्यावसायियों की आवाज बनकर उभरेगा हमें ऐसा विश्वास है ।

एक बार फिर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।

विनय कुमार भक्त

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in

विषय-सूची

वर्ष-01

अंक-03

दिसम्बर-2021

05 समाचार

अमारा राजा कंपनी ई-मोबिलिटी बैटरी डेवलपर इनोबैट ऑटो में निवेश करेगी
इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार्ट-अप एथर एनर्जी ने का केरल में हो रहा विस्तार

06 समाचार

एक्साइड इंडस्ट्रीज एक नया संयंत्र के साथ ली-आयन सेल निर्माण में कदम रखेगी
कई नए रूप में भारत में सौर प्रमुख सनएडिसन वापस

07 समाचार

escon गुजरात में लेड एसिड बैटरी के निर्माता हैं

08 व्यापार

महत्वाकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ता बैटरी उद्योग

09 व्यापार

छोटे उत्पादकों के लिए बैटरी उत्पादन चुनौतीपूर्ण

10 जानकारी

बैटरी की केमिस्ट्री को समझें
POWERON बैटरी मेला अब मार्च 2022 में

13 व्यापार

रिलायंस ने ब्रिटिश बैटरी फर्म को 100 मिलियन जीबीपी में खरीदा
महा डिस्कॉम ने कुसुम योजना के तहत 500 मेगावाट सौर संयंत्रों के लिए बोली मांगी

14 आलेख

भारत में स्वरोजगार

15 आलेख-समाचार

बड़ा दिन

आईटीसी ने तमिलनाडु में पहला ऑफसाइट सौर संयंत्र शुरू किया

16 एकांकी

छूटी हुई ट्रेन

17 कहानी

पुनर्विवाह

18 साहित्य-काव्य

नशामुक्ति
क्या फर्क पड़ता है..
कलम
हौसला

19 साहित्य-काव्य

रूह के कतरे
स्त्रियाँ
फिर आया है नया साल

21 साहित्य-काव्य

कुछ उजाला तुम लिखो

22 नये सदस्य

अमारा राजा कंपनी ई-मोबिलिटी बैटरी डेवलपर इनोबैट ऑटो में निवेश करेगी

अमारा राजा बैटरीज ने यूरोपीय प्रौद्योगिकी विकासकर्ता और ई-मोबिलिटी के लिए बैटरियों के निर्माता इनोबैट ऑटो में निवेश करने की योजना की घोषणा की है। प्रारंभिक निवेश की योजना संपन्न यूरोपीय ईवी पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख पैर जमाने के लिए बनाई गई है। यूके सहित क्षेत्र के निर्धारित ईवी पुश का समर्थन करने के लिए कई बैटरी गीगाफैक्टरी स्थापित की जा रही हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने की बढ़ती आवश्यकता को देख रही है। इस प्रकार निवेश से कंपनी के लिए एनए आरएंडडी रास्ते खुलेंगे, जबकि यह इनोबैट की अत्यधिक नवीन बैटरी तकनीक को उन बाजारों के अनुकूल बनाने की अनुमति देगा जो अमारा राजा पहले से ही सेवा दे रहे हैं।

इनोबैट वर्तमान में वोडेराडी, स्लोवाकिया में एक बैटरी अनुसंधान और विकास केंद्र और उत्पादन लाइन विकसित कर रहा है। परियोजना का अगला चरण पूरे यूरोप और विश्व स्तर पर नियोजित कई गीगाफैक्टरी के माध्यम से विनिर्माण पैमाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह सीईजेड, प्रमुख

यह निवेश संपन्न यूरोपीय ईवी पारिस्थितिकी तंत्र में पैर जमाने के लिए है



यूरोपीय उपयोगिताओं में से एक और वैश्विक खनन दिग्गज रियो टिंटो, जिन्होंने कंपनी में निवेश किया है, सहित भागीदारों के एक संघ द्वारा समर्थित है। अमारा राजा बैटरीज के कार्यकारी निदेशक श्री विक्रम गौरीनेनी ने कहा है कि हम इनोबैट में अपने निवेश की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। इनोबैट ने कम समय में नवीन बैटरी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की अपनी क्षमता साबित की है। इसका “क्रैडल-टू-क्रैडल” दृष्टिकोण स्थिरता पर अमारा राजा के अपने लक्ष्यों का समर्थन करता है और महत्वपूर्ण कच्चे माल के आयात पर दीर्घकालिक निर्भरता को कम करने में मदद करेगा। अपनी-अपनी ताकत के संयोजन से

अमारा राजा को तेजी से बढ़ते वैश्विक ईवी बाजार में पैर जमाने में मदद मिलेगी।

इनोबैट ऑटो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मैरियन बोसेक ने अपने बताया की यह घोषणा इनोबैट और यूरोप के विभिन्न हिस्सों में इसकी नियोजित गीगाफैक्टरी के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह दर्शाता है कि उभरते बाजारों सहित वैश्विक स्तर पर ई-मोबिलिटी समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए अद्वितीय सहयोगी भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, यह हमारे आगे के विस्तार और हमारे अपने “क्रैडल-टू-क्रैडल” दृष्टिकोण के अनुप्रयोग का मार्ग प्रशस्त करता है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार्ट-अप एथर एनर्जी ने का केरल में हो रहा विस्तार



इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने केरल में अपना तीसरा रिटेल आउटलेट शुरू करने की घोषणा की है, जो इसके सबसे बड़े बाजारों में से एक है।

तिरुवनंतपुरम के पट्टम में एथर स्पेस नामक

नया आउटलेट ग्राहक सहायता और कंपनी के स्कूटरों का अवलोकन प्रदान करता है। एथर 450X और एथर 450 प्लस आउटलेट पर टेस्ट राइड और खरीद के लिए उपलब्ध होंगे, जिसे कंपनी पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज के सहयोग से

चलाएगी। कोच्चि और कोझीकोड के बाद आउटलेट राज्य में एथर का तीसरा स्टोर होगा। कंपनी केरल में विस्तार कर रही है, एथर 450X और 450 प्लस इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए मिली प्रतिक्रिया से उत्साहित है।

एथर एनर्जी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रवनीत सिंह फोकेला ने कहा है कि केरल एथर एनर्जी के लिए सबसे बड़े बाजारों में से एक है, जहां ईवी अपनाने की उच्च दर है, और प्रीमियम इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए बाजार की स्वीकृति उत्साहजनक रही है। हम मार्च 2023 तक केरल में 10 नए खुदरा स्टोर शुरू करने का भी लक्ष्य रखते हैं। एथर ने तिरुवनंतपुरम के थायकॉड, कझाकूटम, पनविला, नेमोम और प्लामुडु में चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए हैं। कंपनी की योजना मार्च 2023 तक लगभग 150 अनुभव केंद्रों के साथ 100 शहरों में विस्तार करके अपने खुदरा परिचालन को मजबूत करने की है।

एक्साइड इंडस्ट्रीज एक नया संयंत्र के साथ ली-आयन सेल निर्माण में कदम रखेगी



एक्साइड इंडस्ट्रीज ने कहा कि वह देश में एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल के निर्माण के लिए भारी उद्योग मंत्रालय की पीएलआई योजना के लिए आवेदन करने और इसमें भाग लेने की भी योजना बना रही है।

एक्साइड इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल ने 21

बैटरी निर्माता एक्साइड इंडस्ट्रीज ने लिथियम-आयन (ली-आयन) सेल निर्माण में उतरने की घोषणा के साथ कहा कि वह इसके लिए एक बहु-गीगावाट संयंत्र स्थापित करेगी।

दिसंबर 2021 को हुई अपनी बैठक में भारत में एक ग्रीन फील्ड मल्टी-गीगावाट ली-आयन सेल निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। हालांकि, कंपनी ने संयंत्र के सटीक आकार और स्थान का खुलासा नहीं हुआ है। एक्साइड इंडस्ट्रीज ने कहा कि वह देश में एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के निर्माण के लिए भारी उद्योग मंत्रालय की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए आवेदन करने और इसमें भाग लेने की भी योजना बना रही है। सरकार

ने मई में बैटरी निर्माताओं द्वारा स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18,100 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी थी।

एक्साइड इंडस्ट्रीज के एमडी और सीईओ सुबीर चक्रवर्ती ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) का प्रवेश निकट भविष्य में एक वास्तविकता बनने की उम्मीद है। सरकार एक सहायक नीति ढांचे के माध्यम से और इस क्षेत्र में निर्माताओं को प्रोत्साहन प्रदान करके इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण को आगे बढ़ा रही है। नतीजतन, लिथियम-आयन बैटरी-आधारित भंडारण समाधान मोटर वाहन और औद्योगिक अनुप्रयोगों दोनों के लिए प्रमुखता प्राप्त करेंगे,। सेल निर्माण को ली-आयन बैटरी निर्माण श्रृंखला का एक अभिन्न अंग बताते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि कंपनी का मानना है कि नए संयंत्र की स्थापना से यह अधिक लागत-प्रतिस्पर्धी बनने और अपने ग्राहकों की बेहतर सेवा करने में सक्षम होगा।

कई नए रूप में भारत में सौर प्रमुख सनएडिसन वापस

सनएडिसन भारत वापस आ गया है, उसी नाम से, एक वितरित ऊर्जा विकासकर्ता के रूप में, जिसका नेतृत्व मूल सनएडिसन के भारत प्रमुख, पशुपति गोपालन कर रहे हैं। एक अन्य FIG कंपनी, ओहमियम, एक यूएस-मुख्यालय वाली कंपनी, जिसका एकमात्र विनिर्माण संयंत्र भारत में है, ने हाल ही में एक हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर को वापस अमेरिका भेजकर सुर्रिया बटोरें। नेक्सजेन पावर सिस्टम्स सिलिकॉन के बजाय गैलियम नाइट्राइड के साथ सेमीकंडक्टर बनाता है, जो सेमीकंडक्टर तकनीक में एक पथप्रदर्शक विकास है। अर्का सोलर रूफटॉप सोलर में भी है। FTC Solar, एक ट्रेकर निर्माता, जो हाल ही में अमेरिका में सार्वजनिक हुआ, का भारत में आधा कार्यबल है। FIG निवेशित कंपनियों के पास अब भारत में उनके लिए लगभग 500-600 लोग काम कर रहे हैं; यह संख्या तीन वर्षों में बढ़कर 2,000-3,000 हो जाएगी, चटीला ने हाल ही में एक विशेष साक्षात्कार में बताया। चटीला का व्यक्तिगत बदलाव उनके दोस्तों-पूर्व सहयोगियों के रूप में शुरू हुआ। सनएडिसन के पेट-अप के बाद के दिनों को याद करते हुए, चटीला ने कहा कि मैंने



कुछ रणनीतिक गलतियाँ कीं, उनकी जिम्मेदारी मेरी है। मेरे पास पैसे नहीं थे, मैंने अपनी सारी संपत्ति खो दी और अपने बिलों का भुगतान करने के लिए अपने घर पर कर्ज लेना पड़ा। मैं असफलता का दर्द जानता हूँ और यह सिर्फ पैसा नहीं है।” बस जब वह सोच रहा था कि आगे क्या करना है, तो उसे सुरु सेमीकंडक्टर के संस्थापक टीजे रॉजर्स ने संपर्क किया, जो उस समय भी विफल हो गया था। रॉजर्स ने चटीला को एक सोलर इन्वर्टर कंपनी को चालू करने में मदद करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने एनफेज नाम से शुरू किया था, जो दिवालिया होने के कगार पर थी। व्यवसाय को लेकर संदेह होने के बावजूद,

चटीला कंपनी में शामिल हो गई। तीन वर्षों में, Enphase का बाजार पूंजीकरण \$50 मिलियन से बढ़कर \$30 बिलियन हो गया, और अमेरिका में सबसे मूल्यवान सौर कंपनी बन गई। यहां तक कि जब यह हो रहा था, चटीला ने फेनिस इन्वेस्टमेंट ग्रुप की शुरुआत की – एक निवेश कंपनी जिसके पास निवेश करने के लिए पैसे नहीं थे, लेकिन इस विश्वास के साथ कि जैसे-जैसे वह विकसित होगा, उसे निवेश करने के लिए धन मिलेगा। समय के साथ, चटीला और रॉजर्स ने एनफेज में कमाए गए पैसे को एफआईजी में डाल दिया, जिसने व्यवसायों का एक गुलदस्ता शुरू किया।

escon गुजरात में लेड एसिड बैटरी के निर्माता हैं

एस्कॉन, जो लीड एसिड बैटरी निर्माण खंड में एक स्थापित कॉर्पोरेट इकाई है। एस्कॉन विभिन्न उपयोगों के लिए प्रदान की जाने वाली बैटरी के लिए अपने ग्राहकों और ग्राहकों द्वारा व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त और प्रशंसित हैं। एस्कॉन अपनी गुणवत्ता, निरंतरता और अखंडता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इन्हीं मूल्यों के बंदोबस्त एस्कॉन के उत्पादन को आगे बढ़ने में मदद की है। एस्कॉन मार्केट लीडर बनाने की दौड़ में अपने संस्थापक मूल्यों से कभी भी समझौता नहीं किया है और उत्कृष्टता प्राप्त करने के मार्ग पर आगे बढ़ना जारी रखा है। हमारी बैटरी ऑटोमोटिव, ई-रिक्शा और सौर और ट्यूबलर अनुप्रयोगों को बिजली देने के लिए बनाई गई है।

एस्कॉन का कहना है की अपने ऑटोमोटिव्स को पावर देने के लिए आपको सबसे अच्छी बैटरी की आवश्यकता होती है। हमारी बैटरियां आपको शानदार सवारी अनुभव देने के लिए टिकाऊपन और उच्च श्रेणी का प्रदर्शन प्रदान करती हैं। लंबी बैटरी बैकअप वाली हमारी बैटरी यह सुनिश्चित करती है कि आप अपनी यात्रा में आगे बढ़ते रहें।

इसी प्रकार बिजली कटौती के दौरान अपने घरों



और स्थान को संचालित रखने के लिए यह आवश्यक है कि आपकी इन्वर्टर बैटरी सबसे अच्छा काम करे। हमारी गुणवत्ता वाली एस्कॉन ट्यूबलर बैटरियों में निवेश करें जो सामान्य फ्लैट प्लेट बैटरियों की तुलना में टिकाऊ हों। इन्वर्टर बैटरी वह है जो बिजली को स्टोर करती है और बाद में घरों में उपकरणों और उपकरणों को चार्ज करने और चलाने की शक्ति

प्रदान करती है। एस्कॉन भारत में प्रतिष्ठित शीर्ष गुणवत्ता वाले सौर बैटरी निर्माताओं में से एक हैं। सौर बैटरी वह है जो सौर पैनलों से उत्पन्न बिजली को संग्रहित करेगी। इसलिए आवश्यक बिजली प्रदान करने के लिए एक एस्कॉन कुशल सौर बैटरी महत्वपूर्ण है। सौर बैटरी की हमारी विस्तृत श्रृंखला में से चुनें और हरे रंग में जाएं।

Milestone New Energy

We would like to introduce to you our latest Lithium LiFePO4 (LFP) Batteries.

Pros of LFP Batteries compare with VRLA Batteries:

1. LFP More than 2000 cycles life with 100% DOD, 4000+ 50% DOD, warranty 3-5 years.
2. VRLA only 300-500 cycles. 8-10 times better.
3. LFP is 60% less weight compare with VRLA and its more compact with higher energy density.
4. LFP Smart BMS systems help us to monitoring its conditions.
5. Bluetooth setup on your phone can be provided along with BMS systems.
6. Most importantly LFP is the safest type of battery exist.

Our products can be apply to list down blow:

12V75-12V100Ah for RV, camping cars, Marines and Home ESS.

24V30,40, 75Ah for wheel chairs, floor machines and etc.

12V100-200Ah for AGV, Aerial lifting and access platform system etc.

12V5-7Ah for home alarm security systems, Garage gate, etc.



Wechat/Tel:+86-13570806787 | Skype:joanouyang3748 | Email: joan@milesne.com | Website: http://www.milesne.com

Shenzhen Milestone New Energy Co., Ltd.

महत्वकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ता बैटरी उद्योग

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में हालिया वैश्विक बदलाव और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से दुनिया भर में विद्युतीकरण और ऊर्जा भंडारण में तेजी आई है। अकेले ई-मोबिलिटी सेक्टर बैटरी की जरूरत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। ईवी उद्योग द्वारा प्रेरित, निकट भविष्य में लिथियम-आयन आधारित बैटरी समाधान सबसे अधिक हावी होने की संभावना है। सालाना बैटरी की मांग में 25% से अधिक की वृद्धि का अनुमान है, 2030 तक मांग को पूरा करने के लिए सौ से अधिक गीगा-आकार के कारखानों का निर्माण करने की आवश्यकता है।

कच्चे माल की कीमतों (यानी लिथियम, कोबाल्ट) और बैटरी उत्पादन में पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं का संयोजन लागत को कम कर रहा है - पिछले दशक के दौरान लिथियम-आयन बैटरी पैक की कीमतों गिरावट आई है। यह बदले में और विकास को बढ़ावा देता है, क्योंकि अधिक से अधिक अनुप्रयोग आर्थिक रूप से व्यवहार्य हो जाते हैं।

तेजी से विकास के साथ, कड़ी प्रतिस्पर्धा आती है। नई, स्मार्ट उत्पादन विधियां और निरंतर सुधार

आगे बढ़ने का रास्ता है।

न्यूनतम पर्यावरणीय पदचिह्न कई बैटरी निर्माताओं का उद्देश्य है। यह मूल्यवान कच्चे माल की ईमानदार सोर्सिंग की मांग करता है, बैटरी सेल निर्माण को बिजली देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करके, और विनिर्माण प्रक्रियाओं में एम्बेडेड सर्कुलर सिस्टम।

कुछ एंड-ऑफ-लाइफ बैटरियों से सामग्रियों को पुनर्प्राप्त करने के लिए रीसाइक्लिंग समाधानों की भी तलाश कर रहे हैं और उन्हें "लूप को बंद करने" के लिए विनिर्माण में पुनर्निर्देशित किया है।

हरित ऊर्जा समाधान और टिकाऊ उत्पादन विधियों के बारे में एबीबी से बात करें - यह हमारा "घरेलू मैदान" है।

स्थिर, प्रतिस्पर्धी उत्पादन प्रक्रिया

सभी बैटरी समाधानों में, सेल "सबसे कम आम भाजक" है। एक बैटरी श्रृंखला में जुड़ी कई छोटी कोशिकाओं से बनी होती है और उच्च क्षमता के लिए समानांतर होती है।

"कोई भी जंजीर अपनी सबसे कमजोर कड़ी से ज्यादा मजबूत नहीं होती।" यह बैटरी निर्माण में

विशेष रूप से सच है - कोई भी बैटरी पैक अपने सबसे कमजोर सेल से अधिक मजबूत नहीं होता है।

गुणवत्ता और चक्र जीवन में अंतर सबसे अच्छी और सबसे खराब कोशिकाओं के बीच काफी भिन्न हो सकता है। एक दोहराने योग्य और स्थिर निर्माण प्रक्रिया इसलिए मांग वाले अनुप्रयोगों में बैटरी समाधानों की समग्र गुणवत्ता और प्रदर्शन में वृद्धि करेगी।

एबीबी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के माध्यम से आपकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकता है।

आधुनिक बैटरी निर्माण में चुनौतियां

हालांकि तेजी से बढ़ रहा है, बैटरी निर्माण बाजार अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। इष्टतम बैटरी समाधान देने की अपनी खोज में उत्पादकों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा

सुरक्षा समस्याएं बैटरी उत्पादन प्रक्रिया और तैयार उत्पाद दोनों में होती हैं।

विभिन्न कच्चे माल, गैसों और उन्नत रासायनिक प्रक्रियाओं का सुरक्षित और उचित संचालन उत्पादन प्रक्रिया के अभिन्न अंग हैं।

बैटरी में बढ़ी हुई ऊर्जा घनत्व कीमत के साथ आती है। शॉर्ट सर्किट और गर्मी से संबंधित मुद्दे, सबसे खराब स्थिति में, एक थर्मल भगोड़ा हो सकता है, जिसमें ज्वलनशील गैसों निकलती हैं।

चपलता / गति

बैटरी निर्माण जैसे घातीय विकास वाले उद्योग में समय-समय पर बाजार सब कुछ है।

विचार/निर्णय से 5 वर्ष तक का समय लग सकता है, जब तक कि एक नया बैटरी संयंत्र चालू और चालू नहीं हो जाता। बिल्ड-अप, कंप्यूटर-आधारित डिज़ाइन, परीक्षण और सत्यापन के सभी चरणों के माध्यम से सक्षम समर्थन के साथ, बड़े



पैमाने पर ग्रीन-फील्ड परियोजनाओं और क्षमता रैंप-अप में मूल्यवान समय बचाया जा सकता है।

दक्षता

बैटरी उत्पादन में, गुण कणों, कोशिकाओं, मॉड्यूल और पैक के बीच एक समान नहीं होते हैं। उसी समय, निर्माता स्थिर, सुसंगत भविष्य कहनेवाला गुणवत्ता के साथ बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए प्रयास करते हैं।

कम ऊर्जा और महंगी धातुओं का उपयोग करके अधिक उत्पादन में मदद करने के लिए नई एकीकृत उत्पादन विधियां जरूरी हैं।

पर्यावरण के मुद्दे

पर्यावरण के अनुकूल सोच और सोर्सिंग पूरे जीवनचक्र में महत्वपूर्ण है - आने वाली स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति और कच्चे माल की कम खपत से लेकर प्रभावी रीसाइक्लिंग समाधानों तक।

उत्पादन प्रक्रिया से न्यूनतम उत्सर्जन सुनिश्चित करने वाले उन्नत प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलती है - इसलिए पूरे बैटरी जीवन चक्र के दौरान लगभग शून्य प्रभाव वाले उत्पादों को अनुकूलित किया जाएगा।

उच्च प्रदर्शन वाली बैटरी स्मार्ट निर्माण पर निर्भर करती है

भयंकर प्रतिस्पर्धा और लागत दबाव का सामना करते हुए, बैटरी निर्माता स्मार्ट विनिर्माण विधियों के प्रमुख अंगीकार हैं। हम पारंपरिक निर्माण विधियों का डिजिटल परिवर्तन देख रहे हैं,

जहां स्वचालन, डिजिटलीकरण, रोबोटीकरण, मशीन लर्निंग और प्रबंधन सॉफ्टवेयर समाधान मौलिक हैं।

स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग भौतिक और आभासी दुनिया को मिलाता है, बेहतर निर्णय लेने के लिए बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र करके और उसका उपयोग करके उत्पादकता में लगातार वृद्धि करता है। डेटा "क्या करना है" और "कब करना है" बताएगा, निर्माताओं को वास्तविक समय में कारखाने में बदलती मांगों और शर्तों को पूरा करने में मदद करता है।

डिस्कवर करें कि ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मैनुफैक्चरिंग ऑपरेशंस सॉफ्टवेयर और डिजिटल सेवाओं में अपने लंबे अनुभव के साथ एबीबी कैसे स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग सॉल्यूशंस के साथ आपका मार्गदर्शन और समर्थन कर सकता है!

बैटरी निर्माण के लिए उपयुक्त इनडोर आर्द्रता के स्तर को बनाए रखना - अपशिष्ट गर्मी प्रबंधन और पानी / अपशिष्ट जल उपचार। किसी भी बैटरी निर्माण स्थल में प्रासंगिक पहलू। संचालन के दौरान, एबीबी पर्यवेक्षण और दूरस्थ निगरानी सहित अनुकूलित रखरखाव समाधानों के साथ सेवा सहायता प्रदान करता है।

गीगा-आकार की बैटरी फैक्ट्रियां बहुत अधिक विद्युत ऊर्जा की खपत करेंगी - एक छोटे शहर के बराबर। इसलिए एक मजबूत और विश्वसनीय विद्युत ग्रिड एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

गुणवत्ता नियंत्रण

एबीबी डिजिटल समाधान प्रभावी बैटरी

उत्पादन में आवश्यक नियंत्रण और अंतर्दृष्टि को सक्षम बनाता है।

आधुनिक गुणवत्ता प्रबंधन सॉफ्टवेयर, वास्तविक समय में उत्पादन से संबंधित डेटा के संग्रह को संभव बनाता है। गुणवत्ता चुनौतियों को शीघ्रता से पहचानना और उनका जवाब देना समग्र गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पता लगाने की क्षमता

डीप सेल ट्रेसिबिलिटी और इंटीग्रेटेड मॉड्यूल/सिस्टम्स डिजाइन, सोर्सिंग, मैनुफैक्चरिंग, सेफ्टी, परफॉर्मंस, साइकिल लाइफ, प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, ओनरशिप की कुल लागत और बहुत कुछ में लगातार सुधार करने के अवसर प्रदान करते हैं।

दृश्यता

संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया के दौरान एंड-टू-एंड दृश्यता - सामग्री विकास, प्रक्रिया, सेल, मॉड्यूल, पैक, बैटरी प्रबंधन। डेटा को जानकारी में बदलने से आपको पूरी जानकारी मिलेगी और सुधार के क्षेत्रों को खोजने में मदद मिलेगी।

अनुकूलन

अत्यधिक स्वचालित, रोबोटीकृत और सॉफ्टवेयर-आधारित निर्माण के लिए अनुकूलन धन्यवाद। स्केलेबिलिटी, पैक / स्पेस आवश्यकताओं, ऊर्जा घनत्व, वजन, स्थायित्व, जीवन-प्रत्याशा, चार्जिंग समय और सेवा जीवन के संदर्भ में अनुकूलन योग्य बैटरी समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करता है।

छोटे उत्पादकों के लिए बैटरी उत्पादन चुनौतीपूर्ण

आज के समय में किसी भी क्षेत्र के छोटे उद्यमियों को उत्पादन करना चुनौतीपूर्ण है। बैटरी व्यवसाय में जो लघु उत्पादक हैं यह समय उनके लिए ठीक नहीं चल रहा है। क्योंकि महंगाई का रोज-रोज का बढ़ना उनके उत्पादन पर अपना असर बनाये हुए है। कहीं से कोई ऑर्डर प्राप्त होता है उसके निर्माण तक सामग्री के महंगा होने से उन्हें बचत ना मात्र की हो पा रही है। ऐसे में अगर फैक्टरी किराये की है, लेबर है उसका खर्च पूरा करना ही कठिन हो रहा है। ऐसे में बैटरी बनाना चुनौतीपूर्ण है।

वैश्विक स्तर पर सभी प्रमुख ऑटोमोटिव बाजारों में, हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में परिवर्तनकारी बदलाव देख रहे हैं। यहां तक कि चल

रहे कोविड-19 महामारी के दौरान, जबकि इनमें से कई बाजारों में वाहनों की बिक्री में काफी गिरावट आई है, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चलन ने 2020 में इस प्रवृत्ति को कम कर दिया है। परिवहन और गतिशीलता क्षेत्र को डीकार्बोनाइज़ करने में उनकी भूमिका मजबूती से स्थापित होती है। दक्षता, कार्बन पदचिह्न, और स्वामित्व के दृष्टिकोण की कुल लागत से तर्क। अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने, वायु गुणवत्ता में सुधार, आयातित तेलों पर निर्भरता को कम करने, और मिश्रण में बढ़ती अक्षय हिस्सेदारी के साथ अपने ऊर्जा अधिशेष का दोहन करने के लिए, भारत इस वैश्विक प्रवृत्ति का पालन करने का इच्छुक है।

स्वच्छ ऊर्जा से संचालित हरित समाज की ओर

बदलाव के केंद्र में, उन्नत बैटरी प्रौद्योगिकियां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ईवीएस में, बैटरी न केवल ऊर्जा भंडारण माध्यम हैं, बल्कि प्रदर्शन को निर्धारित करने, विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और लागत, वाहन रेंज और चार्जिंग गति सहित मीट्रिक में ग्राहक स्वीकृति प्राप्त करने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ई-मोबिलिटी से परे, वे ग्रिड बैलेंसिंग जैसे अनुप्रयोगों के लिए स्थिर भंडारण और पवन या सौर जैसे अक्षय स्रोतों से उत्पन्न बिजली के लिए ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण दल हैं। हालांकि, उनके महत्व के बावजूद, भारत अब तक सीमित स्थानीय मॉड्यूल और पैक असेंबली संचालन के साथ पूर्वी एशिया से बैटरी सेल आयात करने पर निर्भर रहा है।

बैटरी की केमिस्ट्री को समझें



BATTERY TRAINING INSTITUTE
OEM BATTERY MANUFACTURER
BATTERY CONSULTATION
BATTERY TESTING LAB

youtube:-Tech bazaar
 facebook:- Battery school
 Google app:- Tech education
 call:-9412242818/8218601001

भारत का एकमात्र इंस्टिट्यूट जहां दी जाती है बैटरी बनाने की लाइव ट्रेनिंग व ऑनलाइन ट्रेनिंग व उससे जुड़े सभी कोर्सेज, हॉस्टल की सुविधा के साथ

नंबर एक

बैटरी बनाने के लिए केवल लेड ही क्यों इस्तेमाल किया जाता है।

नंबर दो

लेड ऑक्साइड में फ्री लेट क्यों होता है? एसिड की ग्रेविटी 1200 ही क्यों इस्तेमाल में ली जाती है? बैटरी में डालने जाने वाले केमिकल क्यों उपयोग में लिए जाते हैं और उनका क्या रोल होता है?

जब कभी हम बाजार से केवल 1 किलो आलू भी खरीदते हैं तब हम देखभाल कर लेते हैं पर बैटरी इंडस्ट्री में 10 टन ऑक्साइड भी बिना किसी जांच के ही ले लेते हैं। मेरे अनुसार आप फैक्ट्री में इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल और ऑक्साइड की जांच अनिवार्य रूप से करें जिससे आपके प्रोडक्ट में कोई कमी ना आने पाए। यदि आप सही प्रोसेस को फॉलो करते हैं तो कोई वजह नहीं है आपकी बैटरी एक्साइड जब किसी बड़े बहन जैसी ना बन पाए। क्योंकि वह भी उसी ऑक्साइड वॉलेट से ही बैटरी बनाते हैं फर्क सिर्फ कार्यप्रणाली का है। हमें कंपटीशन के द्वार पर अपनी कार्यप्रणाली पर भी काम करने की आवश्यकता है। आने वाले समय में मैं कोशिश करूंगा कि इस प्रकार की और जानकारियां भी आपको अगले अंक में देता रहूँ।

-गौरव शर्मा,
संचालक, बैटरी स्कूल

बैटरी पूर्णतया एक केमिकल आधारित प्रोडक्ट है। पर मुझे अब बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है की बैटरी व्यापार को करने वाले लगभग 80% लोग इस बैटरी की केमिस्ट्री के बारे में नहीं जानते। वह आज भी अपने फोरमैन के हाथों की कठपुतली ही हैं। यदि बैटरी की प्लेट में कोई कमी आती है तब फोरमैन द्वारा कोई ना कोई बहाना बनाकर उसे दूसरे पर डाल दिया जाता है

जिस प्रकार एक दवा बनाने की कंपनी में एक फार्मिसिस्ट का होना अनिवार्य है इसी प्रकार बैटरी इंडस्ट्री में भी एक केमिस्ट का होना अति अनिवार्य है, जो बैटरी के अंदर होने वाली प्रत्येक केमिकल रिएक्शन के बारे में पूर्णतया जानकारी रखता हो और जिसके पास बैटरी बनाने का कोई तजुर्बा अवश्य हो। बैटरी से जुड़े कुछ मुख्य प्रश्न जिसका उत्तर प्रत्येक बैटरी में इनके पास होना अनिवार्य है।



16th POWERON

Save our new dates
MARCH
 25-26-27, 2022

Venue:
 International Trade Expo Center, Noida

Dear Sir,
 Thanks for the care and good suggestions on Cornea outbreak. With due respect to the suggestion, the 16th POWERON is rescheduled to March 24-27th, 2022.
 Thanks again for your concern and suggestions,
 Regards SHIVAM INFO TEAM

POWERON बैटरी मेला अब मार्च 2022 में

16वाँ पावरऑन बैटरी मेला (EXHIBITION) जो 21 से 23 जनवरी 2022 में इंटरनेशनल ट्रेड एक्पो सेन्टर, नोएडा में होना था उसकी तिथि बदल गई है। अब यह मेला 25 से 27 मार्च 2022 इंटरनेशनल ट्रेड एक्पो सेन्टर, नोएडा में आयोजित होना है। यह बदलाव कोरोना के बढ़ते मामले को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस मेले की तैयारी जोर-शोर से हो रही है। इसके तैयारी में आयोजकों के साथ-साथ बैटरी व्यापार से जुड़े सभी लोग उत्साहित थे। 21-23 जनवरी 2022 का इंतजार भी संबंधित लोगों द्वारा किया जा रहा है। लेकिन कोरोना के बढ़ते मामलों से आयोजक मंडल ने इसकी तिथि बढ़ाना उचित समझा और इसे मार्च तक के लिए रोक दिया गया है।

नववर्ष 2022 की हार्दिक शुभकामनाएँ



TIRUPATI
ESTEEM
Battery

2022

HAPPY NEW YEAR
Patidar Battery Centre

M.: 7898481600

This poster features a red background with a large, stylized '2022' in the center, decorated with white starburst effects. At the top left is the Esteem Battery logo. At the bottom, there are images of several red Esteem batteries. The text 'HAPPY NEW YEAR Patidar Battery Centre' is centered below the '2022', and the contact number 'M.: 7898481600' is at the bottom right.



2022
HAPPY NEW YEAR!

SURIYA PLUS
UNSTOPPABLE POWER BACKUP

This poster has a dark blue background with a vibrant display of green and yellow fireworks. The year '2022' is written in large, bold, gold letters. Below it, 'HAPPY NEW YEAR!' is written in gold. At the bottom, there is an image of a blue Suriya Plus battery and the Suriya Plus logo with the tagline 'UNSTOPPABLE POWER BACKUP'.



XTRAA
Powerful Battery & Inverter Solutions
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED CO.

*May this year be the start of
a new chapter in which you
write your own story!*

2022
HAPPY NEW YEAR

Automotive &
Inverter Batteries

This poster features a dark background with a glowing '2022' in gold. At the top left is the XTRAA logo and company information. A quote in cursive script is centered above the '2022'. Below the '2022', it says 'HAPPY NEW YEAR'. At the bottom, there are images of red XTRAA batteries and the text 'Automotive & Inverter Batteries'.



JANGRA BATTERY
Since 1981

2022
HAPPY NEW YEAR

नव वर्ष की
हार्दिक
शुभकामनायें

JANGRA

Facebook: jangrabattery | Website: www.jangrabattery.in
Any Query Can contact on : +91 9811181720

This poster has a dark background with colorful fireworks. The year '2022' is written in large, gold, dotted letters. Below it, 'HAPPY NEW YEAR' is written in white. At the top right is the Jangra Battery logo. At the bottom, there are images of red Jangra batteries and the text 'नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें'. Contact information for Facebook, website, and phone number is at the bottom.



Transport India

Smart Transport for a Sustainable Future

Including



7th Smart Cities
INDIA EXPO

23 24 25 March 2022

Pragati Maidan, New Delhi



THE FUTURE OF MOBILITY

Promoting green & sustainable transportation to secure the future of the next generation and improve the quality of life of our citizens.

2021 SHOW HIGHLIGHTS*

12,786



Visitors

575



Participants

27



Countries

11,000



sqm Exhibit area

TECHNOLOGY ON DISPLAY

- Autonomous technologies
- Charging infrastructure
- Connected car solutions
- Electric fleet management system
- Electric/hybrid vehicle
- Fuel cells
- Parking technology & infrastructure
- Power products
- Public transportation vehicles
- Batteries and storage
- Safety products and services
- Sensors technologies

*Statistics for 6th Smart Cities & 28th Convergence India expo, held from 24-26 March 2021 at Pragati Maidan.

Media Partner



Organiser



Exhibitions India Group
ISO 9001:2015 - ISO 14001:2015 - OHSAS 18001:2007
Committed to Excellence

For more information:

Pulkit Kapoor +91 70425 55388

pulkittk@eigroup.in

www.transportindiaexpo.com

रिलायंस ने ब्रिटिश बैटरी फर्म को 100 मिलियन जीबीपी में खरीदा

अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ब्रिटिश बैटरी निर्माता फैराडियन लिमिटेड को 100 मिलियन जीबीपी के उद्यम मूल्य पर खरीदने की घोषणा की।

अरबपति श्री मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ब्रिटिश बैटरी निर्माता फैराडियन लिमिटेड को 100 मिलियन GBP के उद्यम मूल्य के लिए खरीदने की घोषणा की, क्योंकि तेल-से-खुदरा समूह अपने लिए एंड-टू-एंड तकनीक के अधिग्रहण के साथ जारी रहा। बहु-अरब डॉलर की स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो। रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड (आरएनईएसएल), देश की सबसे मूल्यवान कंपनी की एक इकाई, ने फैराडियन में 100 मिलियन जीबीपी के उद्यम मूल्य के लिए 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए और विकास पूंजी के रूप में अतिरिक्त जीबीपी 25 मिलियन का निवेश किया।

यूके में शेफ़ील्ड और ऑक्सफ़ोर्ड से बाहर और अपनी पेटेंट सोडियम-आयन बैटरी तकनीक के साथ, फैराडियन अग्रणी वैश्विक बैटरी प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है। इसमें सोडियम-आयन प्रौद्योगिकी के कई पहलुओं को शामिल करते हुए प्रतिस्पर्धात्मक रूप से बेहतर, रणनीतिक, व्यापक पहुंच और व्यापक आईपी पोर्टफोलियो है।

10 अक्टूबर से, आरएनईएसएल के माध्यम से भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी ने सौर, बैटरी और हाइड्रोजन निवेश वाले अपने हरित ऊर्जा व्यवसाय को आकार देने के लिए अधिग्रहण और



रणनीतिक निवेश की एक लहर बनाई है। दिशा खासकर सौर ऊर्जा उत्पादन में मुख्य रूप से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्राप्त करने या प्राप्त करने की दिशा में रही है जो अक्षय ऊर्जा उत्पादन की लागत को कम कर सकती है।

इसने सौर, बैटरी और हाइड्रोजन के माध्यम से पूरी तरह से एकीकृत एंड-टू-एंड नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण शुरू करने के लिए

विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो हासिल करने के लिए आरईसी, नेक्सवेफ, स्टर्लिंग और विल्सन, स्टिसाल और अंबरी के साथ साझेदारी में 1.2 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया है। और इसी कड़ी में अब इसने ब्रिटिश बैटरी मेकर में निवेश किया है। फैराडियन की सोडियम-आयन तकनीक अल की तुलना में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करती है।

महा डिस्कॉम ने कुसुम योजना के तहत 500 मेगावाट सौर संयंत्रों के लिए बोली मांगी

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) ने चयन के लिए अनुरोध (आरएफएस) जारी किया है, जिसमें पीएम कुसुम योजना के घटक-सी के तहत विकेन्द्रीकृत सौर परियोजनाओं से संचयी 500 मेगावाट (एसी) सौर ऊर्जा की खरीद के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। राज्य में रेस्को मोड के माध्यम से। प्री-बिड कॉन्फ्रेंस 6 जनवरी, 2022 को www.mahadiscom.in पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। आरएफएस को जवाब देने की समय सीमा 24 जनवरी, 2022 शाम 4 बजे तक है।

MSEDCL ने एक ऑनलाइन प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया (यदि लागू हो तो ई-रिवर्स नीलामी के बाद) करने का निर्णय लिया है। डिस्कॉम सौर ऊर्जा परियोजनाओं के वाणिज्यिक संचालन की तारीख से 25 साल की अवधि के लिए चयनित बोलीदाताओं

के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) में प्रवेश करेगा। निविदा दस्तावेज परियोजना के पूर्ण दायरे को निम्नानुसार परिभाषित करता है: "सौर ऊर्जा जनरेटर परियोजना (परियोजनाओं) के डिजाइन, वित्त, भूमि की खरीद, इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण, संचालन और रखरखाव और सौर ऊर्जा की मीटरिंग के लिए जिम्मेदार होगा।

के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) में प्रवेश करेगा।

निविदा दस्तावेज परियोजना के पूर्ण दायरे को निम्नानुसार परिभाषित करता है: "सौर ऊर्जा जनरेटर परियोजना (परियोजनाओं) के डिजाइन, वित्त, भूमि की खरीद, इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण, संचालन और रखरखाव और सौर ऊर्जा की मीटरिंग के लिए जिम्मेदार होगा।

स्वरोजगार का संदेश फैलाएंगे
भारत को आत्मनिर्भर बनाएंगे

हमें हमारा जीवन ईश्वर ने वरदान स्वरूप प्रदान किया है और जाहिर सी बात है कि जीवन यापन करने के लिए जीविका उपार्जन का साधन भी हमें ढूंढना पड़ता है। कहने का तात्पर्य यह है कि अपने जीवन को चलाने के लिए हमें किसी न किसी रोजगार में लिप्त होना पड़ता है, चाहे वह सवेतन रोजगार हो अथवा स्वरोजगार। सवेतन रोजगार में हमें किसी अन्य व्यक्ति के अधीन काम करना पड़ता है, जिस काम के बदले वह नियोक्ता हमें हमारे काम के बदले वेतन देता है। परंतु स्वरोजगार में हम खुद ही मालिक होते हैं, स्वयं ही नियोक्ता होते हैं और हमारी कार्यकुशलता, लगन, दक्षता और योग्यता पर निर्भर करता है कि हम अपने रोजगार अर्थात् स्वरोजगार के माध्यम से कितना अर्जित कर पाते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में तो जहां जनसंख्या बहुत अधिक है यह संभव ही नहीं कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी योग्यता और क्षमता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। रोजगार के अवसर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के बाद भी इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दे पाना विकासशील देशों में संभव नहीं होता। अतः विकासशील देशों में अधिकतर स्वरोजगार ही लोगों के लिए जीविका उपार्जन का माध्यम होता है। हमारे भारत देश में कार्यकुशलता और विशिष्टताओं की कमी नहीं है जिसकी वजह से अधिकतर जनसंख्या स्वरोजगार की तरफ उन्मुख होने में दिक्कत महसूस नहीं करती है। प्राचीन काल से ही भारत व्यापार का मुख्य केंद्र रहा है। उद्यमी मानसिकता यहां के देशवासियों को खून में मिली है जिसके कारण भारतवासी स्वरोजगार में लिप्त होकर व्यक्तिगत निपुणता के आधार पर विश्व भर को अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं।

चूंकि, भारत एक कृषि प्रधान देश है इसलिए कृषि और कृषि से संबंधित अनेक कार्य जैसे बागवानी डेरी उत्पादन, मधु मक्खी पालन, रेशम उत्पादन पोल्ट्री इत्यादि क्षेत्रों में यहां स्वरोजगार को ही प्राथमिकता दी जाती है। अपनी मेहनत और लगन के बूते इन क्षेत्रों में भारतवासी अच्छी खासी आय अर्जित भी करते हैं। कार्यकुशलता और निपुणता तो हम भारतीयों को मानों विरासत में मिली है। हमारे पूर्वज भी इसी प्रकार के अन्य छोटे-बड़े व्यवसायों के माध्यम से उपार्जन करते थे और अपने प्रयोग लायक रखकर उत्पादित वस्तुओं को देश-विदेश में बिक्री हेतु भी भेजा करते थे।

भारत में स्वरोजगार



सिलाई कढ़ाई बुनाई जैसे स्वरोजगार तो हम भारतीयों की पहचान है ही, साथ ही स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों को गढ़ने में भी हम भारतीयों को सदियों से महारत हासिल है जिसका अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में भी भारतीय आभूषणों की विदेशों में अत्यधिक मांग है जहां मुंह मांगी कीमत देकर भी हमारे द्वारा निर्मित एंटीक ज्वेलरी को खरीदने में रुचि रखी जाती है।

हालांकि, वर्तमान भारत शिक्षा के क्षेत्र में पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रहा है, किंतु व्यवहारिक दृष्टि से देखा जाए तो अभी भी हमारा शिक्षा का स्तर वह नहीं है जो होना चाहिए। भारत के अनेक राज्यों के अनेक गांवों में अभी भी पुस्तक पढ़ना आना ही साक्षरता का पर्याय माना जाता है। अभी भी अनेक राज्यों में व्यवसाय एवं तकनीकी शिक्षा को वह दर्जा, वह स्वीकृति प्रदान नहीं है जो होनी चाहिए। इसलिए आय अर्जित करने का हमारे ग्रामीण भाइयों के लिए स्वरोजगार से बढ़कर दूसरा कोई साधन ही नहीं सकता।

इसमें तनिक संदेह नहीं कि भारत का युवावर्ग दूर दृष्टि रखता है एवं बौद्धिक योग्यताओं में विश्व के अन्य राष्ट्रों को पछाड़ देता है, परंतु फिर भी जनसंख्या अधिक होने की वजह से इन योग्यताओं को वह सम्मान नहीं मिल पाता जिसके वे वास्तव में हकदार होते हैं और इसीलिए उन्हें अपेक्षित रोजगार भी नहीं मिल पाता जिसके चलते उन्हें स्वरोजगार पर ही

निर्भर होना पड़ता है।

आज जरूरत है भारत में स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि करने की एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की, ताकि यहां रह रहे लोगों को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिले एवं हमारा देश विकासशील देशों से विकसित देशों की श्रेणी में गिना जाने लगे। विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा स्वरोजगार योजना को लागू करना अति सराहनीय है जिससे भारत की बहुल जनसंख्या को काम करने के अवसर प्राप्त होंगे एवं भारत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा।

**चुनौतियां पार कर जायेंगे
स्वरोजगार से खूब कमाएंगे
हिम्मत और जज़्बा दिखाकर हम
भारत को आगे ले जाएंगे**



पिंकी सिंघल, अध्यापिका
शालीमार बाग दिल्ली

वर्ष के 365 दिन एक जैसे नहीं होते। कभी दिन छोटे तो कभी रात छोटी होती है, इसी तरह कभी दिन बड़ा तो कभी रात बड़ी। भौगोलिक स्थितियों के अनुसार 21 जून को साल का सबसे बड़ा दिन बताया गया है। परन्तु हम यहाँ जिस बड़े दिन की बात कर रहे हैं वह है 25 दिसंबर। रोम के लोग रोमन उत्सव के रूप में इसे मनाते थे, एक दूसरे के साथ उपहार और खुशियाँ बाँटते थे। धीरे-धीरे यह उत्सव विशाल रूप धारण करता गया और लोगों ने इसे 'बड़ा दिन' कहना शुरू कर दिया। यही बड़ा दिन क्रिसमस कहलाता है। भाईचारा और समानता के सिद्धांत पर टिका यह त्योहार लगभग पूरे विश्व में मनाया जाता है। अब तो यह विभिन्न सभ्यताओं और संस्कृतियों में घुल-मिल गया है। मानव उद्धार के लिये प्रतिज्ञाबद्ध ईसा का जन्म इसी दिवस को माना जाता है, जबकि ईसा के जन्म का प्रमाण उपलब्ध नहीं है। पहले के समय में लोग सर्दियों में सूर्य की स्थिति देखकर क्रिसमस मना लेते थे लेकिन चौथी सदी में चर्च (गिरजाघर) ने इसके लिये 24 और 25 दिसंबर का दिन निर्धारित किया।

बड़ा दिन ईसा के जन्म से जुड़ा है। कहा जाता है सर्वप्रथम निर्धन, भोले चरवाहों के दल को यह खबर मिली कि एक तेजस्वी बालक ने जन्म लिया है जो भविष्य में उनका उद्धार करेगा। ऐसा हुआ भी, ईसा ने नैतिकता और आदर्शों को स्थापित किया जिससे मानव जाति को एक नयी दिशा मिली। दीन-दुखियों की मदद, प्रेमभाव से रहने, लालची या संग्रही न बनने का सिद्धांत ईसा ने दिया। साथ ही उन्होंने उपदेश दिया कि ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहें, लाचारों की आवश्यकता पूरी करें तथा जरूरत से ज्यादा धन संग्रह न करें। अंधेरे को दूर करने के लिये जहाँ तक हो सके प्रकाश फैलायें। दिया को ऊँचे स्थान पर रखें ताकि दूर-दूर तक उसकी रोशनी जा सके।



राखी अनामिका

ईसा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला क्रिसमस ईसाइयों का सबसे बड़ा पर्व है। इस दिन लोग घरों में ईसा की झाँकी, और गोशाला सजाते हैं। चरवाहों के लिये गोशाला विशेष महत्व रखता है। ईसा के सांसारिक माता-पिता, स्वर्गदूतों की मूर्तियाँ सजाकर दो सप्ताह पूर्व से ही आराधना शुरू कर दी जाती है। अधिकतर यूरोपीय देशों में छुट्टियाँ रहती हैं और उत्सव का आयोजन विशेष उल्लास और उत्साह के साथ किया जाता है। चर्चों की सुन्दर ढंग से सजाया जाता है और प्रार्थनायें की जाती हैं। यीशु की झाँकियों और गाथाओं का विशेष आयोजन होता है जो नये साल तक चलता रहता है। इस दिन लोग, चर्च में मोमबत्तियों जलाकर प्रार्थना सभा में भाग लेते हैं। इस दिन का एक विशेष व्यंजन है केक.... केक बिना क्रिसमस अधूरा होता है। प्रियजनों बधाइयाँ देने और केक खिलाने से उत्सव की शुरुआत होती है। चर्चों और घरों में क्रिसमस ट्री सजाया जाता है। आजकल इस उत्सव सांता क्लॉज की भी विशेष भूमिका हो गयी है। बच्चों के लिये तरह तरह के चॉकलेट, उपहार और खुशियों लाने वाला सांता बच्चों बीच बहुत प्रसिद्ध है।

भारत में बड़ा दिन बाकी सभी त्योहारों की तरह अत्यंत उल्लास के साथ मनाया जाता है। सभी समुदाय के लोग बड़ा दिन के उत्सव में भाग लेते हैं। क्रिसमस ट्री सजाते हैं और केक खाते हैं। ज्यादातर लोग इस दिन घूमने जाते हैं, पिकनिक मनाते हैं। जगह-जगह बत्तियों के झालर से किया गया आकर्षक सजावट मन को लुभाता है।



ईसा ने मानव को जगत की ज्योति बताया, इसलिये प्रकाश को फैलाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ईसाइयों के बहुत ज्यादा त्योहार नहीं होते और यह ईसा के जन्म दिवस से बड़ा कोई दिन नहीं होता उनके लिये इसलिये इस दिन को बड़ा दिन कहा जाता है।

आईटीसी ने तमिलनाडु में पहला ऑफसाइट सौर संयंत्र शुरू किया

आईटीसी लिमिटेड ने दक्षिणी तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में अपने पहले ऑफसाइट सौर संयंत्र को चालू करने की घोषणा की, क्योंकि कंपनी 2030 तक अक्षय स्रोतों से अपनी बिजली की 100 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करने की परिकल्पना करती है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि 14.9 मेगावाट का सौर संयंत्र अपने पूरे जीवनकाल में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा और आईटीसी को पहले ही तमिलनाडु में अक्षय स्रोतों से अपनी 90 प्रतिशत बिजली की आवश्यकता को पूरा करने में मदद कर चुका है।

चेयरमैन संजीव पुरी के नेतृत्व में अपनी 'सस्टेनेबिलिटी 2.0' परियोजना के हिस्से के रूप में, आईटीसी की योजना "2030 तक अक्षय स्रोतों से संपूर्ण ग्रिड बिजली आवश्यकताओं का 100 प्रतिशत पूरा करने और जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए सार्थक योगदान देने" की है।

घूटी हुई ट्रेन



(सर्दी की सुबह, रेलवे स्टेशन का दृश्य)

पात्र-आशीष, चायवाला

आशीष : अरे भैया सुनो ना एक कप चाय मिलेगी?
(सर्दी से कांपते हुए)

चायवाला : हां बाबू जी क्यों नहीं, बिल्कुल गर्म चाय है... अदरक वाली।

आशीष : हां जल्दी से पिला दो भाई, बहुत सर्दी लगी है।

चायवाला : मसूरी जा रहे हो बाबूजी, घूमने? आशीष - अरे नहीं नहीं भैया, नौकरी का साक्षात्कार देने जा रहा हूँ। हमारा कहां घूमना हो पाता है। ट्रेन आज भी देरी से है.... रात बीत गई यहां बैठे-बैठे। कब से अकेला बैठा हूँ।

चायवाला : हां बाबू जी हमारी भी चाय नहीं बिक रही। यह ट्रेन वक्त पर आ जाती तो कुछ पैसे मिल जाते और आज का खर्चा चल जाता।

आशीष : सुनसान जगह पर कितना कमा लेते हो? कहीं और क्यों नहीं चले जाते कमाने के लिए।

चायवाला : फिर बूढ़े मां-बाप को कौन देखेगा बाबूजी? थोड़ा बहुत सही, पर खर्चा तो चल ही जाता है और परिवार के साथ सुख से रह पाता हूँ। मां पिता के आगे पैसों की क्या कीमत बाबूजी वैसे आपके घर में कौन-कौन है बाबूजी?

आशीष : मां हैं, पिताजी हैं, पत्नी और एक प्यारा सा बच्चा है। वही एक नौकरी करता हूँ।

चायवाला : फिर भी नौकरी तलाशने मसूरी जा रहे हो बाबूजी? लगता है आपको बाबूजी, बड़ा बाबूजी बनना है।

आशीष : हां भैया थोड़े से गुजारा कहां होता है। अभी बड़ी गाड़ी लेनी है, बड़ा बंगला बनाना है.... बहुत सारी ख्वाहिश है। जाना तो पड़ेगा ना।

चायवाला : यह भी सही है अपने सपनों के पीछे किसी की परवाह क्यों करें। (आशीष नज़रे चुराने लग जाता है) क्या सोचने लगे बाबू जी?

आशीष : कुछ नहीं... आप अपने पैसे लो शायद मेरी ट्रेन आ रही है। जल्दी जाना है,.... वैसे भी काफी देर हो चुकी है।

चायवाला : हां भैया वैसे भी काफी जल्दी है आपको। (व्यंगात्मक भाव से कहता हुआ पैसे लेकर जाने लगता है, तभी ट्रेन स्टेशन पर आ जाती है और आशीष अभी भी वही बेंच पर बैठा हुआ है)

चायवाला : बाबू जी क्या हुआ? आपकी ट्रेन आ गई। जल्दी कीजिए यहां पांच मिनट भी नहीं ठहरती है। इसके बाद कल ही मसूरी की ट्रेन आएगी। (आशीष जैसे कुछ सुन ही नहीं रहा था। बस कभी मुस्कराता तो कभी लग रहा था जैसे अभी रो देगा और ट्रेन शोर मचाती हुई आगे बढ़ जाती है। आशीष वहीं बैठा रह जाता है।)

(दृश्य परिवर्तन : आशीष का श्यनकक्ष और उसकी पत्नी नेहा)

नेहा : अरे आशीष.... जागो ना, जाना नहीं है क्या? जल्दी करो। (अचानक आशीष का सपना टूट जाता है)

आशीष : नहीं, नहीं, नहीं... अब कहीं नहीं जाना। वह चाय वाला थोड़ा सा कमाकर खुश है। अपने मां बाप को छोड़कर जाना नहीं चाहता। मैं कैसे जा सकता हूँ? मैं कैसे खुदगर्ज हो सकता हूँ? (और कहता हुआ आशीष एकदम शांत हो जाता है। नेहा असमंजस में है और खुश भी। वह भी तो अपना घर परिवार छोड़ कर जाने देना नहीं चाह रही थी।)



एक अनुत्तरित प्रश्न

सुभाष चन्द्रा, गोमती नगर, लखनऊ

वह जो डगमग कदमों से उंगली पकड़ कर चलता बल्ले से गेंद उछालता चिड़ीयों को उड़ाता आज स्वयं आकाश में उड़ने लगा है उसे वह वृक्ष की छांव कम लगने लगी क्योंकि वह खुद बड़ा हो गया था वृक्ष की जड़ों में कब दीमक लग गया पता ही नहीं चला पर तना तो हरा था

हर वर्ष नई कोपलें निकलती उन पर पक्षियों के कलरव गूंजते पर अचानक उसकी एक शाखा कमजोर हो गई पतझड़ के बाद अबकी उसपर कोपलें नहीं आईं टूट हो गया था अचानक हरा भरा वृक्ष माली सोचता रहा गलती कहाँ हो गई खाद ज्यादा पड़ गया या

प्यार कुछ कम हो गया प्रश्न का उत्तर नहीं मिला प्रश्न अनुत्तरित ही रह गया अगली बरसात में शायद उसकी जड़े भी अपना स्थान छोड़ दें पर वहाँ एक दूसरा नन्हा सा पौधा अंगड़ाई ले रहा है संभवतः कालांतर में वह उत्तर दे पाये।



- डॉ. विशाल सिंह 'वात्सल्य'

(सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान) राजीव कालोनी, डीग (भरतपुर), राजस्थान



पुनर्विवाह

फेरे लेते- लेते अचानक वह बेहोश होकर गिर पड़ी। जब उसे होश आया तो पंडित जी ने कहा- भगवान की असीम कृपा है आप दोनों वर वधु पर जो अग्नि के सामने आपने सात फेरे पूरे किए। अब जीवन भर सुख-दुख साथ साथ निभाना है। लेकिन क्या यह फेरे आत्मा से लिये गए या शरीर से?

जूही अंदर ही अंदर एक टीश से कराहने लगी। उसकी शादी लगभग 15 वर्षों पूर्व अपनी ही विरादरी के इंजीनियर लड़के से हुई थी। धीरे- धीरे पता चला कि उसका पति शराबी, जुआरी और अय्यास था। जूही को बचपन के दोस्त से प्यार था। विवेक बहुत ही सुलझा हुआ नवयुवक था, लेकिन बेरोजगार था और गैर विरादरी का भी। वह उम्र में भी जूही से 6 साल छोटा था। जूही की शादी हो गयी। दोनों ने अपने प्यार को सीने में दफन कर लिया। विवेक ने सारी उम्र अविवाहित रहने की कसमें खाईं।

इस बीच जूही दो बच्चों की माँ बन गयी। रोज-रोज के झगड़े और मारपीट से तंग होकर जूही ने एक दिन वकील से मिलकर हलफनामा दायर किया। जूही पति से अलग मायके में रहने लगी। पांच वर्षों तक मुकदमा चला और अंत में फैसला जूही के हक में हुआ। बच्चे जूही के पास ही रहेंगे। जूही अतीत को याद कर रात-रात भर सिसकती रहती। भविष्य अंधकारमय था। दो- दो बच्चों की परवरिश कैसे करेगी? बचपन के दोस्त याद आने लगे तभी विवेक ने उसके हृदय पर दस्तक दी।

जूही घायल हिरणी की तरह उसके हृदय में पनाह लेने के स्वप्न देखने लगी। उसने विवेक से संपर्क किया। पुराने जख्म फिर से हरे होने लगे। विवेक भी जो अब तक अविवाहित

था जूही से मिलकर पुनर्विवाह की बात करने लगा। उसने वादा किया कि तुम मेरी जीवन संगिनी बन जाओ मैं बच्चों का अभिभावक बन कर रहूंगा। जूही को मन मांगी मुराद मिल गयी। बच्चे और मायके वाले तैयार हो गए। विवेक के माता-पिता अपनी एक ही औलाद से निराश हो चुके थे, उन्होंने भी तुरत हां कर दी। विवेक के पिता सामाजिक कार्यकर्ता थे। प्रत्येक वर्ष सामूहिक शादी करवाते थे। आज सबकी उपस्थिति में जूही और विवेक की शादी आर्यसमाजी विधि से अम्पन्न हुई।

इस प्रकार एक अबला नारी का पुनर्जन्म हुआ और दो बिछड़े प्रेमियों को सामाजिक मान्यता मिली। ऐसे कठोर कदम यथाने वाले युवक का समाज अभिनंदन करता है। दोनों ने बढ़ती उम्र की चादर उतार फेंकी और कदम से कदम मिलाकर नए रास्ते पर चल निकले।



डॉ. आशा सिन्हा
पटना, बिहार

M. 9950854116 ॥ श्री ॥ M.- 9784194335

Nyati Enterprises

Khawas Wale

Battery, Oil & Inverter are Available for
All Type Vehicle - Tractor, JCB, Motorcycle etc.

Chungi Naka, Kota Road, KEKRI (Ajmer)

नशामुक्ति



लोकेन्द्र कुम्भकार
खरदोन कलाँ, शाजापुर (मध्यप्रदेश)

भलाई है नहीं इसमें, सदा बर्बाद होना है।
लती जो हो गये समझो, प्रतिष्ठा-मान खोना है ॥
बुरी आदत नशे की है, इसे हम आज ही छोड़ें।
रखें काबू स्वयं पर ही, बढ़ें ये जाल खुद तोड़ें ॥ १ ॥

बहे जो खून में मदिरा, भयावह रोग होना है।
धुँप से साँस जब जलती, लहू के अश्रु रोना है ॥
अफीमों और गाँजों में, विनाशों की जड़ें शामिल।
सहारा मानते हैं जो, बड़े कायर- बड़े बुजदिल ॥ २ ॥

खुशी कोई मनाना है, जहर क्यों आज पीते हो?
कहाँ से आ गया ये भ्रम, नशे से जख्म सीते हो?
नहीं सम्मान मिलता है, तिरस्कृत ही सदा होवे।
पतन होगी फिर, कभी घर-बार भी खोवे ॥ ३ ॥

नशे से मुक्त दुनिया हो, कसम खाएँ सभी मिलकर।
नहीं ये एक का जिम्मा, रहें सब ही सजग तत्पर ॥
नयी पीढ़ी बचा लें हम, नहीं भटके बुरे पथ पर।
उन्हें जागृत करें हम ही, रहे वह दूर जीवन भर ॥ ४ ॥

क्या फ़र्क पड़ता अगर...

क्या फ़र्क पड़ता अगर...
तुम मुझे चाहो या न चाहो
ये तुम्हारी मर्जी में शामिल है
ये तो बस मेरा दिल समझता है
मैं खुद से ज्यादा तुझे चाहती हूँ
तुझे एहसास दिलाना मेरे बस में नहीं
ये तो बस मेरा दिल और मेरा रब समझता है...

क्या फ़र्क पड़ता अगर...
तुम अपने दिल में उतर कर तो देखो
तेरा मेरा ये अनोखा रिश्ता क्या है?
कहीं ये पिछले जन्मों का कोई प्यारा सा
अपना हमसफ़र रिश्ता तो नहीं!
अपनी धड़कन को महसूस करके तो देखो
तेरी धड़कन में मेरी सासों की डोर बंधी तो नहीं...

क्या फ़र्क पड़ता अगर...
जब अपनी आँखे बंद करके
अपनी प्यार को महसूस करोगे
बेशक कोई और नहीं मेरी ही अक्स
तेरे रूह में नजर आएगी
बेशक तुम आवारा बादल हो पर
बरस कर मेरी रूह में ही तृप्त होते हो...



-नीना श्रीवास्तव, पाकुड़, झारखण्ड

हौसला

एक दिन पूछा चिड़िया से,
तुम कैसे खुश रहती हो
दूर सैर कर आती हो,
मज़े से जीवन जीती हो।
बोली चिड़िया;
कष्ट बढ़ा है जीवन में,
जुनून सा दिल में जगाना पड़ता है।
इक घोंसला बनाने को,
तिनका-तिनका उठाना पड़ता है।

बहुत संघर्ष है इस जीवन में,
फिर भी निभाना पड़ता है।
कोई साथ चले ना चले,
फिर भी समय के साथ चलना पड़ता है।
मंज़िल मिल जाए यूँ ही,
डगर इतनी आंसां नहीं।
बस पंख फैलाने भर से,
मिलती ऊंची उड़ान नहीं।

- बीना नौडियल खंडूरी, देहरादून, उत्तराखण्ड

कलम



रश्मि शुक्ल, रीवा (म.प्र)

कलम हालात लिखती है,
कलम जज्बात लिखती है।
कलम ही प्रीत लिखती है,
कलम ही गीत लिखती है।

कलम विरह लिखती है,
कलम श्रंगार लिखती है।
दिलों की जीत लिखती है,
अश्रु की धार लिखती है।

कलम ही वेद लिखती है,
कलम पुराण लिखती है।
कलम रामायण लिखती है,
गीता का ज्ञान लिखती है।

कलम ही हीर लिखती है,
रांझे का पैगाम लिखती है।
कलम ही हुस्र लिखती है,
कलम ही चांद लिखती है।

कलम ही धीर लिखती है,
कलम अधीर लिखती है।
यमुना की धार लिखती है,
गंगा की नीर लिखती है।

कलम ही मीरा लिखती है
कल्पना की उड़ान लिखती है।
कलम कबीरा को लिखती है
कलम रसखान लिखती है।

नहीं तलवार में ऐसी
ओज की धार लिखती है।
कलम इतिहास लिखत है
कलम विज्ञान लिखती है।

कलम भविष्य लिखती
कलम वर्तमान लिखती है।
हमारा भाग्य लिखती है
तख्त और ताज लिखती है।

कलम की महिमा को जानो
यही संविधान लिखती है।
कलम नक्षत्रों का वृहत
खगोलीय ज्ञान लिखती है।

रूह के कतरे

रूह के कतरे बिखरे पड़े थे
क्यूँ न मोती चुन-चुन पिरोती
आज गयी जहाँ बिखरा था बचपन ।

क्यूँ न यादों को भर-भर के रोती
वो मंदिर वो बगिया जहाँ पर खिली थी
वो शहतूती महकजहाँ जिंदगी मिली थी ।
वो सखियों की खिलखिलाहटें दिख रही थी
वो मायूस गलियाँ कोई कहानी कह रही थी ।

मैं चुनना चाहती थी
कुछ कहानियाँ वहाँ से
मैं बनना चाहती थी ।
यादों के ताने बाने
सेतु नहीं मिल रहे थे
मुझे पर ये कहाँ ले आई ।

जिंदगी तू न जाने
मेरी उम्र भर की कमाई को ले कर
आँखों के कोरों की स्याही को ले कर
खुद को मिटा के
मिली है जो बेशकीमत
वो उस ताउम्र की
तन्हाई को ले के ।

लौटा दे मुझको बेमुरौवत वक्रत तू
वो धूलों में लिपटी हुई
मेरी भोली सी,
अनजान बेपरवाह
बालपन की कहानी
वो कागज़ की कश्ती
वो बारिश का पानी !!!



गीतांजलि मृदुल
देहरादून, उतराखंड

स्त्रियाँ



मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी, दिल्ली

खरपतवार सी होती है स्त्रियाँ,
कही भी पनप जाती है स्त्रियाँ ।

हो भाव रहित परिवेश,
न हो किसी का प्रेम संदेश ।
बंजर धरातल पर भी,
अंकुर सी फूट जाती है स्त्रियाँ ।

न मिले अपने मन का साथी,
न हो किसी से मन की बाती ।
न कोई पूछे मन की बात,
जहाँ न मिले किसी का साथ ।

उस पथ पर भी अपनी मंजिल,
पा जाती है स्त्रियाँ ।
"हाँ" खरपतवार सी होती है स्त्रियाँ,
जहाँ न पूछी जाये एक भी बात,
जहाँ न हो उसकी कोई औकात ।

ऐसे परिवेश मे भी इक दिन,
सम्मान पा जाती है स्त्रियाँ ।
"हा" कही भी पनप जाती है स्त्रियाँ ।
धरा पर रहकर सपने संजोती है,
एक - एक पल को माला मे पिरोती है ।

और उस माला की न कभी,
हकदार होती है स्त्रियाँ ।
मिले न मिले अपना सब दे जाती है स्त्रियाँ ।
हाँ खरपतवार सी होती है स्त्रियाँ ।
मिले कैसा भी परिवेश पनप जाती है स्त्रियाँ ।

फिर आया है नया साल

नया साल फिर आया है
धरती के हर नगर-नगर
हर देश के डगर-डगर,
हर सागर के लहर-लहर
दिशा-दिशा हर्ष छाया है;
नया साल फिर आया है ।

नया साल फिर आया है
नदी के कल-कल में,
झरणों के छल-छल में
पंछियों के कोलाहल में
फिर नया संघर्ष लाया है;
नया साल फिर आया है ।

नया साल फिर आया है
श्वनी के कण-कण में,
यौवन के प्रतिक्षण में
जीवन के प्रति रण में
फिर एक नया निष्कर्ष छाया है;
नया साल फिर आया है ।



सुब्रत दे
सम्बलपुर, उड़ीसा- 768001

कविता, लघुकथा, कहानी, लेख आप भी भेज सकते हैं । संपादक मंडल अगर
चयनित करते हैं तो बैटरी व्यापार में प्रकाशित होंगे ।

नीचे दिए गए ई-मेल आईडी पर मेल करें :

info@batterybusiness.in



**AUTOMOTIVE BATTERY
SOLAR BATTERY
INVERTER BATTERY**

**ज्यादा
पावर!
ज्यादा
बैकअप!**



**LONG
LIFE**



**ECO
FRIENDLY**



**LOW
MAINTENANCE**



KESHAV BATTERIES

Near Indian Gas Plant, Bichwal, Bikaner Rajasthan-334001
Mob.: +91 95090 94217

कुछ उजाला तुम लिखो



रजनी उपाध्याय
अनुपपुर, मध्यप्रदेश

बीते एक वर्ष ने
अनेक दिए घाव हैं
मगर हमें अतीत से
कहां कोई लगाव है।

हम प्रभा के पृष्ठ पर
लिखेंगे नया साल ये
जिंदगी चले यूं ही
धूप कभी छांव है।

पथ पुराना है तो क्या
कदम उठे नया-नया
क्षमता भरा संकल्प है
धैर्य का ठहराव है।

कुछ उजाला तुम लिखो
कुछ उजाला हम पढ़ें
सूर्य और चांद का
निगाह में पड़ाव है।

भृकुटी पवन की है तनी
इस बात का ख्याल है
कंपकंपाती ठंड है
ठिठुरता अभाव है।



NIGHTRONE™
BATTERIES

अंधेरे से उजाले की ओर...

Office

CAPITAL ENTERPRISES

Call Now +91-9950707886

Bhagey Shree Complex, Near Bus Stand LADNUN 341306

**Sunrise
Technology**

**Solar System
UPS and Battery**

Akhileshwar Kumar
9771155129

sunrisetechnologypatna@gmail.com


Bhupatipur, Kankarbagh, Patna-800020
<https://sunrisetechnology.myinstamojo.com>

26. **Devendra Kumar**
Ved Power Battery
Rajeev Gandhi Nagar Part-1 Mainpuri
U.P. India - 205001
Mob. : +91 8077589218
27. **STARCGREEN**
128/C,G9 Business Center, Opp.
Radhika Homes,Karadva Road,
Dindoli, Surat-394210.
Mob. : +91 97309 69634
28. **Akhilesh Kumar Singh**
SUNRISE TECHNOLOGY
Bupatipur, Kankarbagh, Patna
Bihar-800020
Mob. : +91 9771155129
29. **Irfan Ali**
CAPITAL ENTERPRISES
Bhagshree Complex, Near Bus Stand
Ladnun-341306
Mob. : +91 9950707886
30. **Sandeep Gupta**
BRITEX BATTERY
Ghausabad, Near Prakash Petrol Pump
Varanasi, U.P.
Mob. : +91 9044105104, 9450016024

Starcgreen
One Step Toward Eco Friendly
All Lithium-Ion Batteries Manufacture

+91 9730969634
info@starcgreen.com www.starcgreen.com
128/C, G9 Business Center, opp. Radhika Homes,
Karadva Road, Dindoli, Surat 394 210.

www.batterybusiness.in

 **बैटरी व्यापार**
ऑनलाइन मासिक *Battery Business*

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन,
ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों
के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____

विज्ञापन दर

पिछला आवरण	5000/- रुपये		
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये		
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये		
पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये	आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये	न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld"
के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE
DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. 9582593779



SAM
Above & Beyond

www.sambattery.com
info@sambattery.com

COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY



SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86

LONG LIFE | MAINTENANCE FREE



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in

Email : info@batterybusiness.in



Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH STAXXA SOLAR



HIGH POWER OUTPUT

Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available Models

12V Poly Series :

40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :

335W, 350W

Monoperc 24V Series :

400W



SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN



The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX

IP67

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com